रिश्तों में समस्या होने का कारण हमें जानना चाहिए

आज हमारा लोगों के साथ जैसा रिश्ता होना चाहिए वैसा नहीं है, चाहे वह रिश्ता खुद के साथ हो, लोगों के साथ, संबंधियों के साथ या काम के क्षेत्र में। सारे दिन में हम बहुतों से पूछते हैं क्या हाल-चाल है? आज हम खुद से पूछते हैं मेरे रिश्तों का क्या हाल-चाल है। जैसा चाहते हैं वैसा चल रहा है या कुछ बदलना है। मेरे रिश्तों में गांठे क्यों पड़ती हैं। हर रिश्ते को देखें तो जहाँ जैसी ऊर्जा चाहिए वैसी नहीं है।

क्या कारण है जो वो रिश्ता ठीक नहीं है। किसने क्या किया, क्या कहा, क्या कारण है कि वो ठीक नहीं है। पुरानी कोई बात या रोज़ होती हुई कोई बात। अगर ये ठीक हो जाए तो मेरा ये रिश्ता ठीक हो जाएगा। क्या कारण है जिससे रिश्ते वैसे नहीं रहते, जैसे हमें चाहिए। बहुत से रिश्ते बहुत सुन्दर हैं। कुछ एक में छोटी-छोटी बातें आ जाती हैं। कुछ एक में थोड़ी बड़ी बातें भी आ जाती हैं। कुछ तो हमने तोड़ ही दिए हैं।

कुछ में गांठ छोटी थी, कुछ में थोड़ी बड़ी। कुछ से तो हम थक ही गए। हमने कहा ये रिश्ता ही मुझे नहीं चाहिए। तो ऐसी क्या बात होती है जो अच्छे चलते हुए रिश्ते में गांठ पड़ जाती है। हर चीज़ का एक महत्व है। आप जीवन में जो परिवर्तन लाएंगे, उससे उस स्थान की वायब्रेशन बन जाएगी। जो आपकी जगह बैठेगा उसका जीवन बदल जाएगा। यह हम सबपर निर्भर है। किस-किस को ऐसा लगता है कि हम बोलते कुछ हैं और वे समझते कुछ हैं।

फिर हम उनसे बोलते हैं कि नहीं, मैंने ऐसा नहीं ऐसा कहा था। उस बात को दोहराते हैं। फिर हम बोलते कुछ हैं, और वे समझते कुछ और हैं। जबकि बात तो यह है कि वे बोलते कुछ और हैं हम समझते कुछ और हैं। फिर उसके बाद हम कहते हैं हम आपको नहीं समझ सकते। तब हम कहते हैं हमारे बीच बहुत बड़ी गलतफहमी हो गई है कि हम एक-दूसरे को समझ ही नहीं पाते। लेकिन ज़रूरी ये है कि कई बार हम भी बोलना कुछ चाहते हैं, और बोलते कुछ और हैं। वो समझते कुछ और हैं, फिर वे बोलते कुछ और हैं। इससे साधारण चीजें भी जटिल हो जाती हैं। आपको कौन-कौन चाहिए जो आपके जैसा हो। वो भी सोचते होंगे कि आप भी हमारे जैसे बन जाओ तब घर ठीक हो

वो हमारे जैसे नहीं हैं। वो हम पर विश्वास नहीं करते या हम उन पर नहीं करते। कहाँ समस्या है?

जाएगा। वो हमारे जैसे नहीं हैं। वो हम पर विश्वास नहीं करते या हम उन पर नहीं करते। कहाँ समस्या है?

शक के साथ जीना, किसी पर विश्वास नहीं कर पाना, अपने आपमें अंदर दर्द देता है। उन्होंने क्या तोड़ा वो तो हम नहीं जानते लेकिन हमने अपने आपके लिए क्या तोड़ा ये जांच करना ज़रूरी है। मान लो हमने किसी के लिए नकारात्मक सोचा और उस सोच को रखकर हम चाहते हैं कि रिश्ता भी ठीक हो जाए। जबकि हमें मालूम भी है कि नहीं हो सकता लेकिन फिर भी हम अपनी सोच बदल नहीं पाते। माना हम सही हैं और दूसरा व्यक्ति गलत है।

किसी भी चीज़ के बारे में सोचेंगे, उस पर काम करेंगे, तो वो ठीक हो जाएगा। लेकिन उस टूटे हुए को ही पकड़कर चलते रहेंगे और रोज़ उसके ऊपर घाव मारते रहेंगे तो वो ठीक होने की बजाए और बिगड़ता जाएगा। तो सबसे पहले ज़रूरी है कि लोग मेरे अनुसार चलें या लोग मेरे जैसा क्यों नहीं सोचते हैं। क्योंकि अगर वो हो जाए तब तो सारी समस्या खत्म हो जाएगी। मैं जैसा सोचूं आप भी वैसा सोचो।

अब मैंने सोचा था कि आप सब ऑफिस सुबह 10 बजे पहुंच जाएंगे। अभी 10:30 बज गए लेकिन लोग अभी भी आ रहे हैं। वो सही हैं कि मैं सही हूँ। मेरी उम्मीद वो सब नहीं सोचने वाले हैं। आपको 10 बजे ऑफिस पहुंचना था तो आपको ट्रैफिक जाम, सड़क, पार्किंग, रास्ता सबकुछ काउण्ट करके घर से जल्दी निकलकर 10 बजे से पांच मिनट पहले यहाँ पहुंच जाना चाहिए था।

मैं ऐसा इसलिए एक्सपेक्ट करती हूँ क्योंकि ये मेरी आदत है। और मुझे लगता है कि मेरी आदत सही है। और फिर इसलिए मुझे लगता है कि हरेक के पास यही आदत होनी चाहिए। अब जो-जो लेट आएगा, वो तो गलत है। और जो बहुत जल्दी आए वो भी गलत हैं। इतना जल्दी क्यों आ गए थे। तो सिर्फ लेट आने वाले गलत नहीं लगते। सभी अपनी-अपनी जगह पर सही हैं। इसको देखना है सारा दिन घर के अंदर। हरेक आत्मा के अलग-अलग संस्कार हैं।

मेरे अन्दर ये संस्कार बैठे हुए हैं कि 10 बजे सही समय है तो पूरी दुनिया एक तरफ और ये मेरा संस्कार एक तरफ। क्योंकि मुझे हर परिस्थिति में उस संस्कार के नज़रिए से ही दिखेगा। मुझे वो परिस्थिति आपके संस्कार के जरिए नहीं दिख सकती। क्योंकि मेरे पास वो संस्कार नहीं हैं। इसलिए हर आत्मा के विविध संस्कारों को समझकर ही हम घर-परिवार और अपने कार्य क्षेत्र पर सबसे साथ मधुर रिश्ता बना सकते हैं।

दुर्ग-छ.ग.। विधायक अरुण वोरा को ज्ञान चर्चा के पश्चात् ईश्वरीय पत्रिका व प्रसाद भेंट करते हुए ब्र.कु. रूपाली बहन व ब्र.कु. नेहा बहन।

आंवलखेड़ा-आगरा(टुंडला)। केन्द्रीय राज्य मंत्री के स्वागत समारोह में तीन हज़ार जनता को मंच द्वारा ब्र.कु. विजय बहन ने ईश्वरीय संदेश दिया। इस मौके पर ब्र.कु. तनु बहन, महिला मंडल मोर्चा अध्यक्ष व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली-हरिनगर। सेवाकेन्द्र पर आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् प्रो. डॉ. डी.पी. सिंह,यू.जी.सी. चेयरमैन तथा उनकी धर्मपत्नी डॉ. कल्पना को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी।

कायम गंज-उ.प्र.। राजयोगिनी ब्र.कु. मिथलेश बहन को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब की चेयरमैन स्नेह लता बहन व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अभिनव सिंह।

राँची-झारखण्ड। जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन सुब्रत कुमार नंदा,जी.एम.,नाबार्ड बैंक, सुभाष चंद्र गर्ग,डी.जी.एम.,नाबार्ड बैंक, अमरजीत,एरिया मैनेजर,हुंडई, अशोक अग्रवाल,समाजसेवी, ब्र.कु. निर्मला दीदी आदि गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित करके किया।

पटना-बुद्धा कॉलोनी। एम्स,पटना में पैनिक डिसॉर्डर एंड एंग्ज़ाइटी पेशेन्ट्स पर डी.एस.टी.,सत्यम प्रोजेक्ट के अंतर्गत रिसर्च प्रोजेक्ट के दौरान समूह चित्र में बायें से शिवानी भारद्वाज,जेआरएफ, डॉ. कमलेश झा,प्रिन्सीपल इनवेस्टीगेटर,डीएसटी प्रोजेक्ट,एम्स, ब्र.कु. मृदुल,राजयोग शिक्षिका,योगा इंस्ट्रक्टर,एम्स तथा विनय कुमार,डाटा एन्ट्री ऑपरेटर,एम्स।

बीदर-कर्नाटक। भगवंत खुबा,मिनिस्टर ऑफ स्टेट फॉर केमिकल्स एंड फर्टीलाइज़र्स एंड मिनिस्टर ऑफ स्टेट फॉर न्यू एंड रीन्यूएबल एनर्जी के साथ ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. सुमंगला बहन,उपक्षेत्रीय संचालिका, ब्र.कु. सुनंदा बहन,संचालिका,शिव शक्ति भवन,रामपुरे कॉलोनी तथा गणमान्य लोगों सहित अन्य ब्र.कु. बहनें।

जबलपुर-नेपियर टाउन(म.प्र.)। अतुल गुप्ता,महाप्रबंधक, वाहन निर्माणी का भारत सरकार द्वारा प्रमोशन डायरेक्टर, ऑपरेशन,ट्रुप कम्फर्ट्स लि. कानपुर किये जाने पर ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पर उनके उज्वल भविष्य की कामना के साथ उन्हें स्नेहिल विदाई दी गई। उन्हें सम्मानित करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. भावना बहन। साथ हैं अंजलि गुप्ता,अध्यक्ष,महिला कल्याण संघ वाहन निर्माणी।

अमरेली-गुज.। जन्माष्टमी के अवसर पर 'श्री कृष्ण जीवन चरित्र के प्रसंग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में डॉक्टर्स ग्रुप, लायन्स रोटरी क्लब ग्रुप तथा ब्र.कु. गीता बहन।

कोटडा सांगानी-राजकोट(गुज.)। शिव दर्शन प्रदर्शनी में गोंडल मार्केटिंग यार्ड के च्वाइस चेयरमैन कनकसिंह जाडेजा को परमात्म संदेश देते हुए ब्र.कु. तृप्ति बहन।

नवापारा-राजिम(छ.ग.)। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध नृत्यांगना स्वर कोकिला आरू साहू को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नारायण भाई तथा ब्र.कु. पुष्पा बहन।